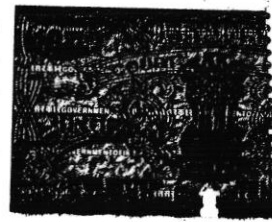
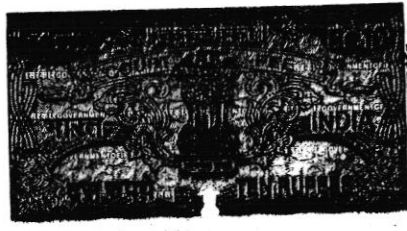


60



न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल ज्वालियर, जिला ज्वालियर (म-७)  
राजस्व प्र. सं. I/नगरानी/छतरपुर/भू.वा/2018/0872 खन.

1. चेताराम पाठक } पुत्रगण तनय ठाकुर बहादुर पाठक  
2. नन्द किशोर पाठक }

निवासीगण - ग्राम - बरा, तहसील - राजनगर  
जिला - छतरपुर (म-७)

निगरानीकर्ता

vs.

1. अरविन्द } पुत्रगण खन्नु लाल तिवारी  
2. वीरेन्द्र }  
3. कृष्ण }  
4. गोविन्द }

निवासीगण - बस स्टैंड के पास, बिजावर  
जिला - छतरपुर (म-७)

निगरानीकर्ता

निगरानी अर्जित द्वारा 50 म-७ भू-रा  
संहिता 1959 विकट आदेश प्रकरण क्रमांक  
29 एवं 30/अ-6/2011-2012 पारित  
अन्तिम आदेश दिनांक 26/10/2017 एवं  
10/01/2018, न्यायालय श्रीमान नामदार  
तहसीलदार महोदय राजनगर प्रभारी क्षेत्र  
छतरपुर, तहसील - राजनगर जिला -  
छतरपुर (म-७)

*Dehatoli*  
02/02/18

श्री. चेताराम पाठक की अर्ज  
द्वारा आज दि. 02.02.18 को  
प्रस्तुत प्रारम्भिक तर्क हेतु  
दिनांक 23.2.18 नियत।

राजस्व मण्डल, म.प्र. ज्वालियर

महोदय, निगरानीकर्ता की ओर से निम्न लिखित निगरानी सादर  
प्रस्तुत है -

01. यह कि भूमि ख. नं. 14, 15, 16, 17, 20, 21 कितना - 06 एकड़  
रकबा 2.655 है. लगान सात रुपये अछतरपला, मौज बरही आ


3

वसुधा: - - (2)

## राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश - ग्वालियर

## अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक - एक/निगरानी/छतरपुर/भू.रा./2018/0872

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
21/03/2018	<p>आवेदक की ओर से अधिवक्ता श्री धर्मेन्द्र चतुर्वेदी उपस्थित। उन्हें ग्राह्यता के बिन्दु पर सुना गया। आवेदक अधिवक्ता द्वारा ग्राह्यता के बिन्दु पर दिए गए तर्कों पर विचार किया एवं आलोच्य आदेश का अवलोकन किया। आलोच्य आदेश को देखने से स्पष्ट होता है कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा आवेदक का धारा-151 जा.दी. सहपठित धारा 32 का आवेदन यह कहते हुए अस्वीकार किया है कि प्रकरण में दो-दो वसीयतें प्रस्तुत हुई हैं साथ ही एक पक्षकार द्वारा वारसान नामांतरण वावत अनुरोध किया गया है जिससे प्रकरण में साक्ष्य ली जाना एवं कूट परीक्षण किया जाना आवश्यक है उसी क्रम में न्यायालय द्वारा आवेदक एवं उनके साक्षियों का मुख्य परीक्षण शपथ-पत्रों के आधार पर किया गया है, जो विधि के अनुकूल है। ऐसी स्थिति में अधीनस्थ न्यायालय द्वारा की जा रही कार्यवाही में प्रथम दृष्टया कोई न्यायिक त्रुटि प्रतीत नहीं होती है। दर्शित परिस्थिति में यह निगरानी ग्राह्य योग्य न होने से अग्राह्य की जाती है।</p> <p style="text-align: right;">   <b>प्रशासकीय सदस्य</b> </p>	